नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 113
दि. 23.08.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जापान पहुंचने के बाद सबसे पहले जापान की राजधानी टोक्यो में स्थित ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर के दर्शन किए। टोक्यो का यह सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित मंदिर शांति और सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की खुशहाली, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर मानवता को शांति और शक्ति का संदेश देता है और यही भाव छत्तीसगढ़ की जनता की आकांक्षाओं में भी झलकता है।

ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में सा. अफ्रीका ने किया ध्वस्त, 84 रनों से दर्ज की धमाकेदार जीत

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में खेले गए दूसरे वनडे में 84 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। यह जीत साउथ अफ्रीकी टीम के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेजबानों को कोई मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का प्रदर्शन एक बार फिर निराशाजनक रहा।

मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीकी टीम ने 49.1 ओवर में 277 रन बनाए।

'भ्रष्टाचारी जेल में, सत्ता में नहीं', कोलकाता में टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 अगस्त 2025 को कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) और विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद नेताओं को पद से हटाने वाले नए विधेयक का विरोध करने के लिए TMC, कांग्रेस और राजद जैसे दलों को आड़े हाथों लिया।

पीएम ने शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में बंद बंगाल के सुधार सेवा मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा का जिक्र करते हुए कहा, 'अपराधी और भ्रष्ट लोग सत्ता में नहीं, जेल में होने चाहिए। लेकिन ळटउ के लोग जेल से भी सरकार चलाने की बेशर्मी दिखा रहे हैं।'

'जेल से सरकार चलाने की बेशर्मी'

कोलकाता की रैली में पीएम मोदी ने TMC पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री जेल में है, तो उसे हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। लेकिन देखिए, कितनी बेशर्मी है कि ळटउ का एक मंत्री शिक्षक भर्ती घोटाले में जेल में है, फिर भी वह कुर्सी नहीं छोड़ रहा।'

उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से चंद्रनाथ सिन्हा का जिक्र किया, जिनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शिक्षक भर्ती घोटाले में चार्जशीट दाखिल की है।

मोदी ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किए हैं, जो गंभीर आपराधिक मामलों में 30 दिन से ज्यादा जेल में रहने वाले प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों या मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान करते हैं। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, 'ळटउ, कांग्रेस और राजद जैसे दल इस कानून का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें अपने पापों की सजा का डर है।'

'TMC ने बंगाल का भविष्य बर्बाद किया'

पीएम मोदी ने TMC सरकार पर बंगाल के युवाओं और महिलाओं की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा, 'TMC ने हजारों शिक्षकों और उनके परिवारों का भविष्य बर्बाद कर दिया।

योगी सरकार ने प्रदेश को 13 कैबिनेट्स और 75 मोबाइल फॉरेंसिक वैन की दी सौगात

(जीएनएस)।

योगी सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं टेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी के तहत प्रदेश में फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। यही वजह है कि सीएम योगी के निर्देश पर फोरेंसिक साइंस को कानून प्रवर्तन में अनिवार्य किया गया है। योगी सरकार पिछले आठ वर्षों में आधुनिक फोरेंसिक लैब स्थापित करने, साइबर अपराधों से निपटने के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने और पुलिस-फॉरेंसिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। इसी के तहत नोएडा में शुक्रवार को साइबर क्राइम को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आने वाले समय में डाटा चोरी पर लगेगा 250 करोड़ रुपये तक का दंड

कार्यशाला में डिजिटल युग में

बढ़ते साइबर खतरों और उनसे निपटने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस के संस्थापक निदेशक डॉ. जी. के. गोस्वामी, एडिशनल सीपी अजय कुमार सहित उद्यमियों, बैंकिंग सेक्टर के प्रतिनिधियों, आरडब्ल्यूए के सदस्यों, सोशल वर्कर्स और पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में 250 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति ने साइबर सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाया। कार्यशाला में साइबर ऑडिट, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (उढउ)एक्ट और डाटा सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि आने वाले समय में डाटा चोरी पर 250 करोड़ रुपये तक के दंड का प्रावधान होगा। इस दौरान यूपी में फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयासों की भी जानकारी दी गई, जिसमें 13 कैबिनेट्स की स्थापना और राज्य के सभी 75 जिलों में मोबाइल फोरेंसिक वैन की तैनाती शामिल है।

दिल्ली में उत्तराखंड भाजपा की विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बड़ी बैठक, संगठन, सरकार, सांसदों के बाद क्या हुई चर्चा

(जीएनएस)।

भाजपा ने उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर मंथन शुरू कर दिया है। इसी सिलसिले में दिल्ली में उत्तराखंड भाजपा की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान पंचायत चुनाव के परिणाम, सरकार व संगठन के समन्वय के साथ ही सांसदों से भी फीडबैक लिया गया।

बैठक में आगामी विधानसभा 2027 के चुनाव को लेकर मंथन हुआ है साथ ही सरकार एवं संगठन को लेकर सांसदों ने अपनी बात रखी। इस दौरान पंचायत चुनाव परिणामों और प्रदेश, जिला टीमों के गठन पर भी चर्चा हुई।संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें प्रदेश प्रभारी, सीएम, प्रदेश अध्यक्ष समेत सांसद मौजूद रहे।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा, 2027 के चुनाव की दृष्टि और सरकार एवं संगठन को लेकर सांसदों के विचार आए हैं। सरकार द्वारा भी राज्य मैं चलाए जा रहे जन कल्याणकारी कार्यों एवं मानसून सत्र की कार्यवाही की जानकारी साझा की गई। संगठन के आगामी कार्यक्रमों में किस तरह सांसदों की भूमिका और अधिक प्रभावी हो इसको लेकर उनके मंडलों में मंडलों, बूथों तक दौरों को लेकर भी चर्चा हुई। हाल में जो पंचायत चुनाव संपन्न हुए हैं उसमें अभूतपूर्व जीत पर सभी सांसदों ने सरकार और संगठन के समन्वय को सराहा है।

वहीं इस बैठक में नए संगठन का भी निर्माण को लेकर भी बातचीत हुई। जिसमें सभी 19 संगठनात्मक जिलों के प्रतिनिधित्व के साथ सभी समाजों महिला, एससी, एसटी, ओबीसी की भूमिका निर्धारण को लेकर भी चर्चा हुई।

प्रदेश प्रभारी ने कहा, समय समय पर सभी सांसदों के साथ पार्टी और मुख्यमंत्री की इस तरह की मुलाकात होती रहती है। जिसमें सरकार और संगठन द्वारा किए गए पूर्व के कामों और आगामी किस तरह से आगे बढ़ाना है उस पर चर्चा होती है।

उपराष्ट्रपति चुनाव: देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को मिलाया फोन, शिवसेना क्यों नहीं दे रही जवाब?

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इंडिया अलायंस ने पूर्व न्यायविद बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि, इसके बावजूद बीजेपी की कोशिश है कि संवैधानिक पद पर चुनाव दलगत राजनीति से ऊपर उठकर हो। इसके लिए दूसरे दलों के नेताओं से संपर्क किया जा रहा है। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (यूबीटी) सुप्रीमो उद्धव ठाकरे और एनसीपी प्रमुख शरद पवार को फोन कर समर्थन देने की अपील की है। फडणवीस ने दोनों दिग्गज नेताओं को बतौर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के कार्यों के आधार पर समर्थन देने का आग्रह किया है।

सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने खुद फोन कर शरद पवार और उद्धव ठाकरे से बात की है। दोनों से एनडीए उम्मीदवार के महाराष्ट्र कनेक्शन का जिक्र करते हुए समर्थन की मांग की है। शरद पवार ने स्पष्ट

कर दिया है कि वह इंडिया अलायंस के उम्मीदवार को ही अपना समर्थन देंगे, लेकिन उद्धव ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

उद्धव ठाकरे बदलेंगे पाला?

पिछले काफी दिनों से उद्धव ठाकरे के फिर से बीजेपी के साथ जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के बीच तनातनी की खबरें भी चल रही हैं। ऐसे में उद्धव ठाकरे के एक्शन पर सबकी नजर रहेगी। बताया जा रहा है कि उनकी और फडणवीस की काफी सकारात्मक माहौल में बातचीत हुई है, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने अब तक पत्ते नहीं खोले हैं। उन्होंने न तो एनडीए उम्मीदवार को समर्थन देने का आश्वासन दिया है और न ही फोन पर यही स्पष्ट किया कि वह इंडिया अलायंस के साथ हैं।

उद्धव ठाकरे के सामने इस वक्त अपनी पार्टी बचाने की चुनौती है। साथ ही आने वाले बीएमसी और दूसरे चुनावों में संगठन मजबूत करने का भी संकट है। यह भी कहा जा रहा है कि ठाकरे इंडिया अलायंस में खुद को सहज महसूस नहीं कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव पर फिर साधा निशाना

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रशांत किशोर लगातार पूरे प्रदेश का दौरा कर रहे हैं। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने पीके अपनी पार्टी जनसुराज के लिए लोगों से समर्थन मांग रहे हैं। प्रशांत लालू यादव के परिवार और आरजेडी पर जमकर हमला बोल रहे हैं। अपने चुनावी सभाओं में वह लालू परिवार के भ्रष्टाचार और वंशवाद पर तीखे वार करते हैं। दूसरी ओर नीतीश कुमार और बीजेपी पर भी वह तीखे हमले बोल रहे हैं। पीके की पार्टी जनसुराज के एक्स अकाउंट से तेजस्वी यादव का एक वीडियो शेयर किया गया है।

प्रशांत किशोर ने तेजस्वी यादव और राघोपुर के हालात का कोलाज बनाकर एक वीडियो शेयर किया है। प्रशांत किशोर ने प्रदेश में अपनी यात्रा का नाम बिहार बदलाव यात्रा रखा है। इस दौरान वह लगातार पीएम मोदी, बीजेपी और नीतीश कुमार से रोजगार के नाम पर सवाल मांग रहे हैं। लालू यादव पर जातिवाद और भ्रष्टाचार के नाम पर भी उसी तीव्रता से हमला बोल रहे हैं।

शेयर किया तेजस्वी का वीडियो

प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज के ट्विटर अकाउंट से वीडियो शेयर किया गया है। इसमें चार्टर्ड प्लेन में तेजस्वी का वीडियो है और दूसरी ओर राघोपुर में बाढ़ के हालात हैं। वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है कि जब तक आप जाति पर वोट करते रहेंगे, बिहार के हालात नहीं बदलेंगे।

पीके ने पीएम मोदी की बिहार यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि जब तक बिहार के बच्चे गुजरात में जाकर फैक्ट्रियों में काम करते रहेंगे, तब तक पीएम मोदी के बिहार आने से क्या फायदा होगा? पीके के चुनावी प्रचार में बिहार से पलायन रोकना और रोजगार देना मुख्य मुद्दा है।

बिहार विधानसभा चुनाव में मुकाबला इस बार त्रिकोणीय रहने वाला है। एक तरफ एनडीए है जिसमें बीजेपी, जेडीयू, एलजेपी, हम समेत कुछ और छोटे दल हैं। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन में जिसमें आरजेडी, कांग्रेस, लेफ्ट पार्टियों के साथ कुछ और दल हैं। इसके अलावा, प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज भी मैदान में है। पीके ने बिहार की सभी सीटों से उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। ऐसे में चुनाव त्रिकोणीय नजर आ रहा है।

बिहार : पीएम मोदी की गयाजी रैली में नजर आए 2 आरजेडी विधायक

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अब कुछ ही सप्ताह का वक्त बचा है और राजनीतिक दलों के प्रचार अभियान के साथ ही टिकट पाने के लिए कोशिशें भी शुरू हो गई हैं। कुछ नेताओं के टिकट कटना तय है और चुनाव लड़ने के लिए अब वो दूसरे दलों के साथ हाथ मिलाने की कोशिश में जुट गए हैं। इसका नजारा पीएम नरेंद्र मोदी की गयाजी रैली में भी नजर आया, जहां आरजेडी के दो विधायक मंच पर पीएम के साथ दिखे। नवादा से राजद विधायक विभा देवी और रजौली से विधायक प्रकाश वीर को गयाजी में एनडीए के कार्यक्रम में देखा गया है।

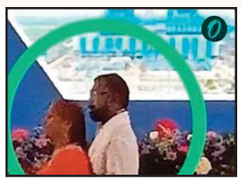

विभा देवी और प्रकाश वीर पिछले एक महीने से पार्टी की गतिविधियों से दूर हैं। बताया जा रहा है कि वोट अधिकार यात्रा में कुछ स्थानीय लोगों ने तेजस्वी यादव से विधायक विभा देवी की शिकायत भी की है। इस बात की पूरी आशंका है कि इस बार इन दोनों का टिकट कट सकता है। इसलिए दोनों ने अपने लिए विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं।

ट्रंप की वजह से अमेरिकी किसानों को लगा फटका, ब्राजील और चीन ने उठाया बड़ा कदम

(जीएनएस)।

रूस और चीन के भारतीय उत्पादों के लिए व्यापार के दरवाजे खोलने के बाद, अब एक और ब्रिक्स देश ब्राजील भी चीन के मुख्य सोयाबीन आपूर्तिकर्ता के रूप में अमेरिका की जगह ले रहा है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब ब्राजील को भी भारत के समान 50% तक के टैरिफ का सामना करना पड़ा है।

चीन और ब्राजील में हुई बात

यह बात तब सामने आया जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने ब्राजीलियाई समकक्ष लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के साथ एक घंटे की बातचीत के बाद कहा कि चीन "ब्राजील के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा का समर्थन करता है।"

डोनाल्ड ट्रम्प के व्यापार युद्ध के बीच, ब्रिक्स देश अमेरिका से आयात कम करके और अपने बाजारों में विविधता लाकर वाशिंगटन डीसी को नुकसान पहुंचा रहे हैं, ताकि आसन्न टैरिफ तूफान का सामना किया जा सके।

चीन ने भी बनाई अमेरिका से दूरी

दुनिया का सबसे बड़ा सोयाबीन आयातक चीन हाल के महीनों में अमेरिका से दूरी बना रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उसने सितंबर और अक्टूबर के लिए फॉरवर्ड बिक्री में

एक भी टन तिलहन नहीं खरीदा है।

पिछले कुछ महीनों में सोयाबीन खरीद का वाशिंगटन से ब्रासीलिया की ओर स्थानांतरण - यहां तक कि उच्च दरों पर भी - और चीन के फॉरवर्ड बिक्री में एक भी टन न खरीदने के निर्णय ने अमेरिकी किसानों को अधर में छोड़ दिया है, जबकि तिलहन की कटाई का मौसम एक महीने में शुरू होने वाला है।

पिछले साल कम हुआ कारोबार

इस सप्ताह की शुरूआत में चीनी सीमा शुल्क एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चीन ने जुलाई में अमेरिका से 420,873 टन सोयाबीन का आयात किया, जो एक साल पहले की तुलना में 11.47% कम है। वर्तमान में, चीन अमेरिकी उत्पादों पर 20% टैरिफ लगाता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सोयाबीन किसानों ने ट्रम्प को चेतावनी देते हुए लिखा है कि वे "अपने सबसे बड़े ग्राहक के साथ लंबे समय तक व्यापार विवाद में जीवित नहीं रह सकते।"

ट्रंप के चक्कर में अमेरिकी किसानों का नुकसान

पिछले महीने अकेले, चीन का सोयाबीन आयात साल-दर-साल लगभग 19% बढ़ गया, जिसमें ब्राजील ने लगभग 90% और अमेरिका ने केवल 4% आपूर्ति की। रॉयटर्स के मुताबिक ब्राजीलियाई सोयाबीन की ओर चीन के इस बदलाव से अमेरिकी किसानों को अरबों का नुकसान होने की उम्मीद है, क्योंकि बीजिंग ने 2023-24 में अमेरिका के सोयाबीन निर्यात का आधे से अधिक खरीदा था।

डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद अमेरिका-ब्राजील के रिश्ते अंतिम मोड़ पर हैं। जिसमें ट्रंप ने पहले अपने सहयोगी, ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो पर चल रहे अभियोजन का हवाला देते हुए लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर टैरिफ लगाने को उचित ठहराया था। यहीं से दोनों के रास्ते अलग होते चले गए।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस और भावनगर के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और भावनगर के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09209/09210 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर स्पेशल [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09209 बांद्रा टर्मिनस – भावनगर स्पेशल शनिवार, 30 अगस्त, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 13:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:30 बजे भावनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09210 भावनगर–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 को भावनगर से 20:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर गेट, बोटाद, धोला, सोनगढ़, सिहोर गुजरात और भावनगर परा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी–3 टियर, एसी–3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09209 एवं 09210 की बुकिंग 24 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

डबलिंग कार्य के चलते कानालुस–पोरबंदर और पोरबंदर–कानालुस लोकल ट्रेनें 15 सितम्बर तक आंशिक रद्द

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल–पीपली–कानालुस सेक्शन में चल रहे डबलिंग कार्य के चलते 23 अगस्त से लेकर 15 सितम्बर, 2025 तक कानालुस–पोरबंदर और पोरबंदर–कानालुस लोकल ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:

आंशिक रूप से रद्द की गयी ट्रेनें:

- ट्रेन नं 59206 पोरबंदर–कानालुस लोकल 23.08.2025 से लेकर 15.09.2025 तक गोपजाम–कानालुस के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। अर्थात यह ट्रेन पोरबंदर से चलकर गोपजाम तक जाएगी और गोपजाम–कानालुस के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।
- ट्रेन नं 59205 कानालुस–पोरबंदर लोकल 23.08.2025 से लेकर 15.09.2025 तक कानालुस–गोपजाम के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी। अर्थात यह ट्रेन कानालुस की बजाय गोपजाम स्टेशन से चलेगी और गोपजाम से चलकर पोरबंदर तक जाएगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 20901/20902 मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण इस प्रकार है:–

24 अगस्त, 2025 को मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल – गांधीनगर केपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन नवसारी स्टेशन पर 08:43 बजे पहुँचेगी और 08:45 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार, 23 अगस्त, 2025 को गांधीनगर केपिटल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 20902 गांधीनगर केपिटल – मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस को नवसारी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन 17:27 बजे नवसारी स्टेशन पहुंचेगी और 17:29 बजे प्रस्थान करेगी।

ट्रेनों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 24 अगस्त, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का वसई रोड यार्ड में रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई,

रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख–रखाव हेतु शनिवार/रविवार यानी 23/24 अगस्त, 2025 की मध्यरात्रि को वसई रोड यार्ड में गुड्स लाइनों पर 00:30 बजे से 04:30 बजे तक जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा।

अतः पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 24 अगस्त, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

भावनगर–ओखा एक्सप्रेस ट्रेन का स्टोपेज लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर 30 नवम्बर तक के लिए रद्द

राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल–पीपली–कानालुस सेक्शन में चल रहे दोहरीकरण कार्य के चलते भावनगर मंडल से होकर चलने वाली भावनगर–ओखा एक्सप्रेस के स्टोपेज को लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर 23.08.2025 से लेकर 30.11.2025 तक अस्थायी रूप से रद्द किया गया है। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार ट्रेन नंबर 19210 ओखा–भावनगर एक्सप्रेस और ट्रेन नं 19209 भावनगर–ओखा एक्सप्रेस दिनांक 23.08.2025 से लेकर 30.11.2025 तक लाखाबावल और पीपली स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का गुजरात दौरा; ₹1,400 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं की देंगे सौगात

- 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणाझपालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण,
- 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोलझकड़ीझकटोसन रोड रेल लाइन का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजीझरणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन राष्ट्र को करेंगे समर्पित
- प्रधानमंत्री जी कटोसन रोड और साबरमती यात्री ट्रेन का कड़ी से करेंगे शुभारंभ तथा बेचराजी से कार–लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ

नई दिल्ली/ गांधीनगर, 22 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आगामी 25 अगस्त, 2025 को गुजरात के दौरे पर रहेंगे, जहां वे 1,400 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, पाटण, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभान्वित करेंगी। यह रेलवे परियोजनाएं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता और रोजगार सृजन में उल्लेखनीय योगदान देंगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे की जो परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की जाएंगी उनमें 537 करोड़ रुपए की लागत से तैयार महेसाणाझ पालनपुर रेल लाइन (65 किमी) का दोहरीकरण, 347 करोड़ रुपए की लागत से कलोलझकड़ीझकटोसन रोड रेल लाइन (37 किमी) का गेज कन्वर्जन और 520 करोड़ रुपए की लागत से बेचराजीझरणुंज रेल लाइन (40 किमी) का गेज कन्वर्जन शामिल है। ये रेलवे परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तर गुजरात के महेसाणा, बनासकांठा और पाटण जिले को ब्रॉडगेज लाइन के माध्यम से सहज, सुरक्षित और निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी।

इससे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए आवागमन अधिक सरल और तेज होगा। साथ ही, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। अतिरिक्त लाइन क्षमता के कारण अहमदाबादझदिल्ली मार्ग पर तेज गति से ट्रेनों का संचालन संभव होगा। इससे अधिक यात्री ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा और मालगाड़ियों की गति एवं दक्षता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इस प्रकार यह परियोजनाएं गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी।

बेचराजीझरणुंज रेल लाइन का गेज कन्वर्जन नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी और पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान फॉर मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के अनुरूप किया गया है। इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और गुजरात राज्य की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स रैंकिंग में और बेहतर सुधार लाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल उत्तर गुजरात की सामाजिक–आर्थिक प्रगति को और गति प्रदान करेगी। साथ ही, भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित करेगी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कटोसन रोड और साबरमती के बीच यात्री ट्रेन सेवा कड़ी से एवं बेचराजी से कार–लोडेड मालगाड़ी सेवा का भी शुभारंभ करेंगे। कटोसन–साबरमती रोड नई ट्रेन सेवा न केवल पर्यटन और धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाएगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। इसी तरह, बेचराजी से शुरू होने वाली कार–लोडेड मालगाड़ी राज्य के औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इन दोनों रेल सेवाओं से क्षेत्र को पर्यावरण अनुकूल, टिकाऊ और उच्चगति वाला परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा। इससे न केवल यात्रा समय में कमी आएगी बल्कि क्षेत्रीय औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और रोजगार सृजन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। ये सभी रेलवे परियोजनाएं विकसित गुजरात से विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता के कार्यक्रम में बवाल! क्या फिर थी हमले की योजना? दो हिरासत में!

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के गांधी नगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हंगामा मच गया। इस दौरान भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली के खिलाफ नारेबाजी करने के आरोप में पुलिस ने 60 वर्षीय प्रवीण शर्मा को हिरासत में लिया।

बताया जा रहा है कि एक अन्य व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ा है, जिस पर रेखा गुप्ता के एक कार्यक्रम स्थल के पास हंगामा करने का संदेह था। यह घटना तब हुई जब सीएम गुप्ता, दो दिन पहले उन पर हुए हमले के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुई थीं।

पुलिस के मुताबिक, प्रवीण शर्मा अजीत नगर में केबल टीवी का व्यवसाय करता है और खुद को पिछले 40 साल से भाजपा कार्यकर्ता बताता हैं। शाहदरा डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया, 'प्रवीण शर्मा ने गांधी नगर के विधायक अरविंदर सिंह लवली के खिलाफ उस समय नारे लगाए, जब वह कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे।' शर्मा को बैरिकेड्स के पीछे एक गली से हिरासत में लिया गया और कार्यक्रम स्थल से हटा दिया गया। डीसीपी ने

स्पष्ट किया कि किसी भी समय वीआईपी की सुरक्षा को खतरा नहीं हुआ।

सीएम गुप्ता का बयानः 'न डरेंगी, न थकेंगी, न हारेंगी'

गांधी नगर मार्केट में थोक रेडीमेड गारमेंट डीलर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'आपकी सीएम दीदी न डरेगी, न थकेगी, न हारेगी। जब तक दिल्ली को उसका हक नहीं मिलता, मैं आपके लिए लड़ती रहूंगी।' उन्होंने इस मौके पर स्थानीय विधायक अरविंदर सिंह लवली को यमुना पार विकास बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। गुप्ता ने कहा, 'लवली बिना किसी स्वार्थ के भाजपा में शामिल हुए हैं और दिल्ली के विकास के लिए काम करेंगे।'

विकास कार्यों की घोषणा

सीएम ने लवली और केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा को यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए बजट प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'मैं आज ही बजट स्वीकृत कर रही हूं, बस आप अनुमान तैयार करें।' इसके अलावा, दिल्ली सरकार यमुना पार से डीटीसी बसों के लिए रूट मैपिंग शुरू करेगी ताकि हर क्षेत्र में पर्याप्त बसें उपलब्ध हों।

पिछले हमले का जिक्र

20 अगस्त को सीएम गुप्ता पर उनके कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' के दौरान राजकोट के 41 वर्षीय राजेशभाई खिमजी ने हमला किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास सहित कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद गुप्ता सिविल लाइंस स्थित अपने सरकारी आवास पर ही थीं।

आज का कार्यक्रम

सीएम गुप्ता आज शाम 4 बजे चाणक्यपुरी के अशोक होटल में राज्य उद्योग विभाग के 'आइडियाथॉन' कार्यक्रम के समापन समारोह में शामिल होंगी। पीटीआई के अनुसार, वह आज दिल्ली सचिवालय में अपने कार्यालय भी लौट सकती हैं।

नए कमिश्नर की नियुक्ति के बाद कार्रवाई

21 अगस्त को दिल्ली को नए पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा मिले हैं। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांधी नगर की घटना में शामिल व्यक्ति को हिरासत में लिया।

ओला, उबर, रैपिडो को लगा तगड़ा झटका! कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा – राज्य में बाइक टैक्सी एग्रीगेटर्स को परमिशन नहीं

(जीएनएस)।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार , 22 अगस्त को बाइक टैक्सी सेवाओं को लेकर बड़ा बयान दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्य में किसी भी निजी एग्रीगेटर कंपनी (जैसे Ola, Uber, Rapido आदि) को बाइक टैक्सी चलाने की अनुमति नहीं दी गई है।

कोर्ट ने कहा कि सरकार एग्रीगेटर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन इस प्रक्रिया में व्यक्तिगत बाइक टैक्सी ड्राइवरों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश वीभू बखरू और जस्टिस सीएम जोशी की पीठ ने यह टिप्पणी तब की जब सरकार की ओर से बताया गया कि कुछ एग्रीगेटर ऐप्स ने बैन के बावजूद संचालन शुरू कर दिया है।

अदालत ने कहा कि उसने एग्रीगेटर्स को कोई सुरक्षा या छूट नहीं दी है और सरकार चाहे तो उनके खिलाफ कदम उठा सकती है।

बाइक टैक्सी लक्जरी नहीं, बल्कि सस्ती और जरूरी सुविधा

मुख्य न्यायाधीश विभू बखरू और न्यायमूर्ति सीएम जोशी की खंडपीठ ने कहा कि बाइक टैक्सी कोई विलासिता नहीं है, बल्कि यह आम लोगों के लिए एक सस्ती और जरूरी 'लास्ट–माइल ट्रांसपोर्टेशन' सुविधा है। अदालत का यह अवलोकन उस समय आया जब राज्य सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल शशि किरण शेट्टी ने जानकारी

दी कि हाल ही में बेंगलुरु में कुछ बाइक टैक्सी एग्रीगेटर ऐप्स ने सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं।

एडवोकेट जनरल ने कोर्ट को बताया कि पिछली सुनवाई में अदालत ने मौखिक रूप से कहा था कि सरकार को इस मामले पर गंभीर विचार करना चाहिए क्योंकि हजारों लोगों की आजीविका इस पर निर्भर है। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने 16 जून को राज्य में ड', वुी१, फंम्रङ्गि जैसी बाइक टैक्सियों पर बैन लगाया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसने एग्रीगेटर्स को किसी तरह की सुरक्षा प्रदान नहीं की है और सरकार चाहे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है।

कोर्ट ने कहा, "हमने कोई आदेश नहीं दिया है। अगर उन्होंने अपना बिजनेस शुरू किया है तो आप कार्रवाई कर सकते हैं। हमने सिर्फ इतना कहा था कि व्यक्तिगत टैक्सी मालिकों के खिलाफ जल्दबाजी में कोई कदम न उठाया जाए। एग्रीगेटर्स को लेकर हमने कोई टिप्पणी नहीं की है।"

नीति की कमी और पूरी तरह बैन पर सवाल

20 जुलाई को कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट को बताया था कि राज्य के पास बाइक टैक्सी के लिए कोई ठोस नीति नहीं है, लेकिन जल्द ही इस पर एक समग्र और ठोस निर्णय लिया जाएगा। इस पर अदालत ने सवाल उठाया था कि सरकार ने बाइक टैक्सी को पूरी तरह बैन क्यों किया, जबकि इसे नियंत्रित भी किया जा सकता था।

कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार ने यहां तक कि बैटरी से चलने वाली बाइक टैक्सियों पर भी रोक लगा दी, जबकि 2014 तक इसके लिए राज्य में नीति मौजूद थी। इस तरह सरकार ने एक "वैध व्यापार" पर पाबंदी लगा दी है।

एग्रीगेटर्स और यूनियनों की अपील

हाईकोर्ट की यह सुनवाई ओला, उबर और रैपिडो जैसे निजी बाइक टैक्सी एग्रीगेटर्स और स्थानीय यूनियनों की अपील पर हो रही थी। इससे पहले अप्रैल 2025 में एकल न्यायाधीश ने इनके संचालन पर रोक लगा दी थी।

सरकार ने अदालत में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि बाइक टैक्सियां यात्रियों के लिए असुरक्षित हैं और ये शहर के ट्रैफिक जाम को भी बढ़ाती हैं। वहीं, एग्रीगेटर्स और यूनियन का तर्क है कि यह सेवा लाखों लोगों के लिए सस्ता विकल्प है और हजारों युवाओं के लिए रोजगार का साधन भी।

आप क्या कर रहे हैं?–बिहार चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को लेकर पार्टियों को लगाई फटकार, पढ़ें क्यों?

(जीएनएस)।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (22 अगस्त) को बिहार की राजनीतिक पार्टियों को कड़ी फटकार लगाई, क्योंकि उन्होंने ड्राफ्ट चुनावी सूची में शामिल नहीं किए गए लोगों को दावा और आपत्ति दाखिल करने में मदद नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत ने राजनीतिक पार्टियों को फटकारते हुए कहा कि आखिर आप लोग कर क्या रहे हैं, बिहार की 12 राजनीतिक पार्टियों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उस समय आई जब चुनाव आयोग ने बताया कि वह चुनावों के लिए तैयार बिहार में विशेष गहन चुनावी सूची (वोटर लिस्ट) संशोधन कर रहा है। आयोग ने कहा कि मुख्य राजनीतिक पार्टियों में से किसी ने भी कोई आपत्ति या शिकायत दर्ज नहीं कराई, जबकि जनता ने इस मामले पर आलोचना की थी।

हमें सिर्फ राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी हैः एससी

सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा–"हमें सिर्फ राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी है। बीएलए (बूथ स्तर एजेंट) नियुक्त करने के बाद वे आखिर कर क्या रहे हैं? जनता और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधियों के बीच इतनी दूरी क्यों है? राजनीतिक दलों को मतदाताओं की मदद करनी ही होगी।"

'राजनीतिक दलों को मतदाताओं की मदद करनी ही होगी'

सुप्रीम कोर्ट ने हैरानी जताई जब चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में राजनीतिक दलों के 1.68 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट (इछअ) मौजूद हैं, लेकिन अब तक केवल दो आपत्तियाँ ही दर्ज कराई गई हैं।

यह स्थिति तब है जबकि विपक्ष लगातार यह आरोप लगा रहा है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्क) की इस प्रक्रिया से लाखों मतदाता सूची से बाहर हो जाएंगे। 1 अगस्त को निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से करीब 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

कई विपक्षी दलों ने बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जिन लोगों का नाम ड्राफ्ट लिस्ट से हटाया गया है, उनमें कई जीवित लोग भी शामिल हैं जिन्हें "मृतक" घोषित कर दिया गया है।

उच्चतम न्यायालय ने सिंगल मदर की याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट को दी सीख, 'माता–पिता की तरह बर्ताव करिए!'

सुप्रीम कोर्ट ने एक सिंगल मदर से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के कामकाज के तरीके पर अहम टिप्पणी की है। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एक महिला जज की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि झारखंड हाई कोर्ट को महिला याचिकाकर्ता की याचिका पर शालीनता से सुनवाई करना चाहिए। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में यह भी कहा

कि हाई कोर्ट के फैसलों में अहंकार नहीं दिखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी एक महिला जज की याचिका पर सुनवाई के दौरान की है, जिसमें उन्होंने ट्रांसफर के लिए गुहार लगाई थी। महिला जज का ट्रांसफर दुमका कर दिया गया है। पहले वह हजारीबाग में पोस्टेड थीं। महिला ने सिंगल मदर होने और बेटे की शिक्षा का हवाला देते हुए किसी ऐसे शहर में ट्रांसफर की मांग की थी, जहां बेहतर स्कूल हों।

महिला जज की याचिका पर की अहम टिप्पणी

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार सीजेआई समेत दो जजों की बेंच ने कहा कि यह जज की तरफ से सुविधा के लिए दी गई ट्रांसफर की याचिका नहीं है। यह एक बच्चे की शिक्षा से भी जुड़ा मामला है। कोर्ट ने झारखंड हाई कोर्ट से यह भी कहा कि अहंकारी रवैया अपनाने के बजाए महिला जज की तबादले की याचिका को संवेदना की नजरों से देखा जाना चाहिए। अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित एक अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (ADJ) की याचिका पर बेंच ने यह टिप्पणी की है। कोर्ट कहा, 'हाई कोर्ट को अपने न्यायिक अधिकारियों की समस्याओं के प्रति सजग रहना होगा।'

सिंगल मदर की याचिका पर उखकने की अहम टिप्पणी

इस मामले में याचिकाकर्ता एक सिंगल मदर हैं और उन्होंने हाई कोर्ट में गुहार लगाई थी कि उन्हें बोकारो, रांची या हजारीबाग जैसे किसी शहर में ट्रांसफर किया जाए, क्योंकि वहां बेहतर स्कूल हैं। अगले साल उनके बेटे की 12वीं बोर्ड परीक्षा है। ऐसे में याचिकाकर्ता की कोशिश है कि न्यायिक सेवाओं के साथ ही वह बेटे की पढ़ाई पर ध्यान दे सकें। महिला जज ने 6 महीने के लिए चाइल्ड केयर लीव की याचिका लगाई थी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा, 'हाई कोर्ट को अपने न्यायिक अधिकारियों की याचिका पर विचार करते हुए किसी माता–पिता की तरह सोचना चाहिए। अहंकार का मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। सीजेआई ने कहा,'अब आप या तो उन्हें (महिला जज) बोकारो स्थानांतरित करें या मार्च/अप्रैल, 2026 तक परीक्षा खत्म होने तक हजारीबाग में ही रहने दें।'

आम लोगों को शॉक्ड कर सकती हैं फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में हो रहे बदलाव

पार्टनर के फिंगरप्रिंट से खुलेगा ये 'स्मार्ट ब्रा', फैशन और टेक्नोलॉजी का ऐसा अनोखा बंधन

फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में इन दिनों कई ऐसी चीजें सामेन आ रही हैं जो आम लोगों को शॉक्ड कर सकती हैं। इस डिजिटल युग में कई बड़े बदलाव हो रहे हैं जो कि देखने लायक है और जिनकी तारीफ किए बिना आप नहीं रह सकते।

जापान में बनाया गया स्मार्ट ब्रा

इसी कड़ी में जापान के एक छात्र ने ऐसा इनोवेशन किया है, जिसने फैशन और टेक्नोलॉजी की दुनिया में हलचल मचा दी है। उन्होंने एक स्मार्ट ब्रा तैयार किया है, जो केवल महिला और उनके पार्टनर के फिंगरप्रिंट से ही अनलॉक होगी। फिंगरप्रिंट से अनलॉक होने वाली स्मार्ट ब्रा, –ये स्मार्ट ब्रा न सिर्फ महिलाओं की प्राइवेसी और सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि रिश्तों में भरोसे का प्रतीक भी मानी जा रही है।

इस खास ब्रा में फिंगरप्रिंट सेंसर लगाया गया है।

इसकी सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये केवल महिला और उनके पार्टनर की पहचान स्वीकार करता है, यानी कोई दूसरा व्यक्ति इसे नहीं खोल सकता। –फैशन और टेक्नोलॉजी का ये कॉम्बिनेशन महिलाओं के लिए कम्फर्ट, सेफ्टी और ट्रस्ट का बेहतरीन उदाहरण बन गया है। फैशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये आइडिया भविष्य में पर्सनलाइज्ड फैशन की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है।

सोशल मीडिया पर ब्रा को लेकर मचा हंगामा, जैसे ही इस इनोवेशन की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हुई, लोगों का उत्साह भी उतनी तेजी से बढ़ गया है। कई यूजर्स जहां इसे देखकर शॉक्ड हो रहे हैं, वहीं कई लोगों ने इसे रिलेशनशिप ट्रस्ट और प्राइवेसी का नया प्रतीक बताया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

पहले पक्ष और विपक्ष के नेता व सांसद खुले दिल से बहस करते थे अब दिख रहा आभाव

संसद का मानसून सत्र निर्धारित 21 अगस्त यानि बृहस्पतिवार को अनिति काल के लिए समाप्त हो गया किन्तु कई सवाल ऐसे खड़े हो गए हैं जिनका सीधा संबंध संवैधानिक संस्थानों के मान मर्यादा एवं प्रातिष्ठा से है। दरअसल मानसून सत्र के दौरान काम काज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे किन्तु इस दौरान लोकसभा में 37 घंटे और राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। सत्र के दौरान 15 विधेयक पारित किए गए। कुल मिलाकर लोकसभा में कार्य उत्पादकता 31 प्रातिशत रही जबकि राज्यसभा में यह 39 प्रातिशत रही। संसद के दोनों सदनों में सरकार ने जो आवश्यक विधेयक समझा उसे पारित भी करवाया और अपने सारे जरूरी कामकाज पूरे करके 21 अगस्त को निर्धारित कालावधि के अनुसार सत्रावसान की घोषणा कर दी। किन्तु सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो 15 विधेयक पारित हुए हैं उनमें से कितने ऐसे हैं जिन पर सभी पार्टियों के सांसदों ने गंभीरता से विचार और बहस की? इस सवाल का सीधा जवाब यह है कि विपक्ष को तो छोड़िए बहस तो सत्तापक्ष के सदस्यों ने भी नहीं की। इसका मतलब तो यह हुआ कि जो मौलिक स्वरूप संसदीय प्राविया का संविधान निर्माताओं ने सुनिति किया था, वह धीरे-धीरे बदल चुका है। यही नहीं संसद के सन्नियमों का जो प्रारूप संसदीय कार्यवाही के संचालन लिए बनाया गया है, उसे सत्तापक्ष अपनी सुविधा की दृष्टि से देखता है जबकि विपक्ष अपनी सुविधा के अनुसार आचरण करता है। विपक्ष सरकार पर आरोप लगाता है कि संसद सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी उसकी है जबकि सरकार को विपक्ष पर सीधा आरोप है कि वह संसद की कार्यवाही को बाधित करने के लिए बहाने खोजता है। सच तो यह है कि विपक्ष के लिए संसद का सुचारू रूप से चलना उसी के लिए फायदेमंद है क्योंकि वह अपनी सारी बातें सदन में बोल सकता है। वह मंत्रियों को उनका कर्तव्यबोध तो करा ही सकता है बल्कि पूरी सरकार को घुटनों पर ला सकता है। जब विपक्षी सदस्य हंगामा करके संसद को बाधित करते हैं तो कदाचित पार्टियों के संसदीय नेताओं को इस बात का एहसास होता होगा कि वह सरकार को विवश करने में सक्षम हैं। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि जब संसद में हंगामे के कारण कामकाज बाधित होता है तो इसका सबसे ज्यादा लाभ मंत्रालयों के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को होता है। वे इस बात के लिए राहत की सांस लेते हैं कि सांसदों के अटपटे सवालों का जवाब देने से उनकी जान बची। कभी-कभी सत्तापक्ष के सांसद भले ही कुछ सवाल असुविधाजनक पूछते हैं, किन्तु ज्यादातर सवाल विपक्षी सांसद ही पूछते हैं। आज स्थिति इतनी दुःखद इसलिए भी हो गई है क्योंकि सदन के नेता और सदन में नेता विपक्ष दोनों ने अपने विचार, व्यवहार और मूल्यों की जो धारणा बना ली है, वह उनकी पाटा के लिए भले ही लाभकारी हो किन्तु देश के हितों के प्रति तो बिल्कुल ही अनुकूल नहीं है। पहले दोनों सदनों में पीठासीन अधिकारी अपने-अपने सदन के नेता विपक्ष से सरकार के समन्वय स्थापित करने के प्रामुख कारक होते थे। लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति सदन चलाने के लिए संसदीय कार्यमंत्री और दोनों सदनों के नेता विपक्ष से सलाह करके फैसले कर लिया करते थे। ऐसा इसलिए संभव था क्योंकि विपक्ष के नेताओं को संसदीय कार्यमंत्री का अत्याधिक भरोसा हुआ करता था। न तो विपक्ष के नेता संसदीय कार्य को अपनी पाटा के हितों से ज्यादा महत्वपूर्ण मानते थे और न ही संसदीय कार्यमंत्री के लिए सरकार के हितों की चिन्ता संसदीय मर्यादाओं एवं प्राथाओं से ज्यादा महत्वपूर्ण थी। पहले प्रधानमंत्री और सरकार के मंत्री संसदीय कार्यमंत्री की अहमियत को महसूस करते थे और उनके कार्य में किसी भी तरह की टांग नहीं अड़ाते थे। किन्तु आज स्थिति ऐसी नहीं है। अब तो संसदीय कार्यमंत्री प्रधानमंत्री, मंत्रियों और सरकार के प्रभाव से खुद को मुक्त कर ही नहीं सकते। बहरहाल आज जो स्थिति दिख रही है इसका निर्माण एक दिन में नहीं हुआ है। पहले पक्ष और विपक्ष के नेता व सांसद खुले दिल से बहस करते थे और सरकार की जवाबदेही का उसे एहसास कराते थे किन्तु सरकार को लंगड़ा करने का प्रायास नहीं करते थे। ठीक उसी तरह सरकार विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं का अपने मंत्रियों से भी ज्यादा सम्मान करती थी।

अभूतपूर्व अशोभनीय स्थिति का अंत करने की मजबूरी में प्रेस वार्ता को मजबूर हुआ ईसी

इस अशोभनीय स्थिति का अंत हो तो वैसे चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया हो।

यह अभूतपूर्व अशोभनीय और अनेक अर्थों में अस्वीकार्य व आपत्तिजनक स्थिति है। देश के कुछ नेता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग (ईसी) के विरुद्ध संसद से सड़क तक अभियान चलाएं इसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी।

अगर आईएनडीआईए सांसदों की बैठक में चुनाव आयोग के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव जैसा प्रस्ताव लाने की बात उठी तो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे डरावनी स्थिति कुछ हो ही नहीं सकती। हालांकि इस सत्र का अवसान हो रहा है और इसमें प्रस्ताव आ नहीं सकता। दूसरे, प्रस्ताव आया भी तो सदस्य संख्या के हिसाब से यह गिर जाएगा। किंतु इस पर चिंतन करना होगा कि इसमें से हिला देने वाला है। चुनाव आयोग ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट बोला है कि या तो जो आरोप लगा रहे हैं उसका प्रमाण दें नहीं तो क्षमा मांगे। दूसरी ओर बिहार में वोट अधिकार यात्रा के नाम से यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने सासाराम में यात्रा आरंभ करते हुए कहा कि न हम चुनाव आयोग से डरने वाले हैं और न तेजस्वी यादव।

राहुल गांधी और उनके रणनीतिकारों - सलाहकारों तथा इनके पिछले लंबे समय से चुनाव आयोग और संपूर्ण चुनाव प्रणाली की साख पर चोट करने के लगातार अभियानों पर दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती रहेगी। चुनाव आयोग द्वारा पहले अपने आरोपों पर शपथ पत्र मांगने के विरुद्ध उनकी प्रतिया थी कि मुझे शपथ पत्र देने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने यह तर्क दे दिया कि मैंने संविधान की शपथ लिया है तो उससे बड़ा शपथ क्या हो सकता है। साफ है कि जब वह बारबार चुनाव आयोग को भाजपा का एजेंट बता रहे हो और आईएनडीआईए के घटकों से उन्हें समर्थन भी मिल रहा हो तो वे क्यों पीछे हटेंगे? भारतीय राजनीति में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति गरिमा और मर्यादा का भाव होता तो चुनाव आयोग के विरुद्ध इस तरह की भाषा प्रयोग नहीं की जाती।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सबसे बडा हमला करते हुए अपने 1 घंटे 11 मिनट के वक्तव्य में 21 पृष्ठों के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से साबित करने की कोशिश की कि चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाता सूची में जबरदस्त गड़बड़ी करता है और जहां भाजपा को चुनाव में पराजित होना चाहिए वहां मतदाताओं की फजा संख्या के आधार पर जीत दिला देता है। चुनाव आयोग के विरुद्ध नई लड़ाई का आरंभ उन्होंने बिहार में 17 अगस्त से 2 सितंबर तक की वोट अधिकार यात्रा से कर दिया। इसका फोकस ही चुनाव आयोग और उसके द्वारा आरंभ एसआईआर यानी विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान है। राहुल गांधी का पूरा अभियान सुनियोजित है।

कांग्रेस पाटा द्वारा एक वेब पोर्टल बनाकर लोगों से कहा गया है कि कि चोरी के विरुद्ध जवाब दें तथा डिजिटल मतदाता सूची के मांग का समर्थन करें। कहने का तात्पर्य कि लंबी तैयारी से कांग्रेस पाटा ने इसे आरंभ किया है। चूंकि इस तरह कभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को चुनाव आयोग के विरुद्ध आरोप लगाते और अभियान छेड़ते नहीं देखा गया इसलिए यह निष्कर्ष निकालना कठिन है कि आखिर इसका परिणाम क्या आएगा? इसका अंत वैसे होगा? इसका अंत होगा या नहीं? आखिर चुनाव आयोग क्या करे? राहुल गांधी ने कर्नाटक के मध्य बेंगलुरु संसदीय क्षेत्र के महादेवपुरा विधानसभा का अपने दृष्टि से आंकड़ा दिया उस पर पहले ही कर्नाटक चुनाव आयोग का स्पष्टीकरण आ चुका है।

उन्होंने पांच विधानसभा में जीतने और एक में भाजपा के वोट बढ़ जाने से पराजय को चुनाव आयोग की चोरी बता दिया। उनके अनुसार दोनों पार्टियों को मिले वोटों का अंतर 32,707 था लेकिन महादेवपुरा की गणना में अंतर 1,14,046 का रहा। तो 1 लाख से ज्यादा वोटों की चोरी हुई। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों जगह भाजपा की बढ़त के लिए चुनाव आयोग को ही जिम्मेदार ठहरा दिया। पहले कर्नाटक चुनाव आयोग ने एक महिला मतदाता शकुन रानी द्वारा दो बार वोट डालने के आरोपों का खंडन करते हुए बताया कि आपने जो दस्तावेज दिए उसकी सत्यता अधिकारी के हस्ताक्षर वाले नहीं थे, आपको कहां से यह जानकारी मिली बताएं? अन्य मतदाता भी सामने आए तथा बताया कि वह उन्होंने एक ही जगह वोट डाला है। राहुल गांधी ने इसका कोई उत्तर नहीं दिया। उनको उत्तर देना भी नहीं है। उनको पता है कि महाराष्ट्र के धुले लोकसभा सीट पर।

भाजपा भी पांच विधानसभा में आगे थी लेकिन मालेगांव सेंट्रल में कांग्रेस को 1 लाख 94000 वोट आ गए और वह जीत गई। राहुल गांधी इन तथ्यों से अप्रभावित होकर चुनाव आयोग के विरुद्ध अपने अभियान पर कायम हैं। उनके पहले के आरोपों पर भी चुनाव आयोग ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर उत्तर दिया। एक संवैधानिक संस्था की सीमाएं होती है और वह यही कर सकता था। चुनाव आयोग ने वक्तव्य जारी किया कि आप फजा मतदाताओं का आरोप लग रहे हैं तो नियम के अनुसार शपथ पत्र दीजिए ताकि निर्धारित प्रक्रिया से जांच की जाए। आयोग ने नेताओं को बातचीत के लिए बुलाया तो राहुल गांधी सारे विपक्षी सांसदों को लेकर जाने लगे। यह क्या है? चुनाव आयोग के पास कोई विकल्प बचा नहीं था तभी उसे पत्रकार वार्ता आयोजित कर उत्तर देना पड़ा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक-एक प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि किसी मतदाता का नाम दो जगह होने का अर्थ नहीं है कि उसने दोनों जगह मतदान किया ही।

कृति सेनन ने की संजय लीला भंसाली को बताया 'हिम्मती फिल्ममेकर', जाने क्यों?

(जीएनएस)। संजय लीला भंसाली अपनी फिल्मों और म्यूजिक की वजह से इंडस्ट्री में जाने जाते हैं। उनकी फिल्में एक से बढ़कर एक रहती हैं। उन्होंने 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फिल्म बनाई थी, जिसने 5 राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे। इस फिल्म को हर तरफ से खूब प्यार मिला। संजय की ये फिल्म एक महिला प्रधान कहानी को दिखाती है। जिसमें अलिया भट्ट लीड रोल में थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में भी अच्छा कलेक्शन किया। अब इस फिल्म को लेकर कृति सेनन ने संजय की तारीफ की है।

कृति सेनन ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की तारीफ करते हुए कहा, "हमें विषय पर जोखिम लेना चाहिए, न कि इस पर कि फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभा रहा है। अगर महिला प्रधान फिल्म की बात करें, तो मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही फिल्म आती है जो बड़े बजट और बड़े पैमाने पर बनी है, और वह है 'गंगूबाई काठियावाड़ी'। आपको यह फिल्म बहुत शानदार लगती है। यह फिल्म तब भी वैसी ही दिखती अगर इसमें कोई पुरुष मुख्य भूमिका में होता।"

कृति सेनन ने कहा, "मुझे लगा कि इस फिल्म का बजट, इसके शॉट्स, सब कुछ बहुत बड़े स्तर पर लिया गया था। जब कोई हीरो फिल्म में एंट्री लेता है, तो उसे 'हीरो शॉट' कहते हैं, जिसमें उसे बहुत बड़ा और शानदार दिखाया जाता है। ऐसा आमतौर पर तब नहीं होता जब कोई महिला फिल्म में लीड रोल में हो। इसलिए, यह देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। कम से कम किसी में इतनी हिम्मत तो थी कि उसने एक महिला प्रधान फिल्म पर इतना पैसा लगाया।"

अब संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म लव एंड वॉर को लेकर इंतजार और भी बढ़ गया है। सोचिए, संजय लीला भंसाली और टैलेंटेड तिकड़ी रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की ये जबरदस्त कोलैबोरेशन बड़े पर्दे पर कितनी शानदार होगी। फिल्म 20 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

'डिजिटल अरेस्ट' का खौफनाक खेल खत्म! गृह मंत्रालय का तगड़ा प्लान तैयार, अब टूटेगी ठगों की कमर

(जीएनएस)। भारत में साइबर ठगों ने एक नया हथकंडा अपनाया है-'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर लोगों से लाखों-करोड़ों की ठगी! लेकिन अब गृह मंत्रालय ने इन ठगों की कमर तोड़ने के लिए कमर कस ली है।

फर्जी पुलिस बनकर लोगों को डराने और उनकी मेहनत की कमाई लूटने वाले इन साइबर अपराधियों के खिलाफ मंत्रालय की सख्त कार्रवाई शुरू हो चुकी है।

मुंबई में ठग गिरफ्तार, बुजुर्ग महिला से ठगे ₹7.8 करोड़

हाल ही में मुंबई साइबर पुलिस ने 20 साल के कार्तिक चौधरी को धर दबोचा, जो एक ऐसे गिरोह का हिस्सा था, जिसने 81 साल की एक बुजुर्ग महिला से ₹7.8 करोड़ ठग लिए। इस गिरोह ने फर्जी कॉल और मैसेज के जरिए महिला को गिरफ्तार का डर दिखाया और उनकी जमा-पूंजी हड़प ली। कार्तिक ने 'मनी म्यूल' की तरह काम किया, यानी ठगी के पैसे को इधर-उधर ट्रांसफर करने में मदद की और बदले में ₹1.98 लाख का कमीशन लिया।

क्या है 'डिजिटल अरेस्ट' का जाल?

ये साइबर ठग फोन कॉल या मैसेज के जरिए लोगों को डराते हैं कि उनके बैंक खाते, आधार नंबर या कोई कूरियर पैकेज किसी बड़े अपराध से जुड़ा है। फिर धमकी देते हैं कि अगर तुरंत 'जुमाना' नहीं भरा, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुछ मामलों में तो ये लोग जाली 'डिजिटल अरेस्ट नोटिस' भी भेजते हैं, जो बिल्कुल असली लगते हैं। लेकिन गृह मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि कोई भी सरकारी एजेंसी इस तरह के नोटिस जारी नहीं करती।

2024 में ₹120 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

जनवरी से अप्रैल 2024 के बीच डिजिटल गिरफ्तारी घोटालों ने देशभर में ₹120.3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान पहुंचाया। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहरों में ये मामले तेजी से बढ़े हैं। लेकिन अब गृह मंत्रालय की सख्ती से इन ठगों की शामत आने वाली है।

'द बंगाल फाइल्स' में विवेक अग्निहोत्री ने 'तैमूर' नाम लेकर सैफ और करीना पर कसा तंज, बोले- 'किसी को भी ये नाम'

(जीएनएस)। विवेक रंजन अग्निहोत्री इन दिनों फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर चर्चा में हैं। वो इस फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इसे दर्शकों से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भी हंगामा हुआ। विवेक पर व्व्टा के लोगों ने व्व्व्ट्र दर्ज करवाई।

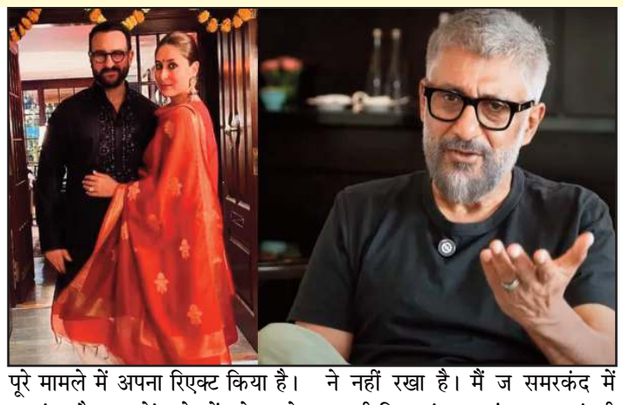

इसके अलावा ट्रेलर के कुछ सीन को लेकर बवाल हो रहा है। इसमें तैमूर नाम का ज़िक्र हुआ है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि इससे विवेक ने सैफ अली खान और करीना कपूर पर तंज कसा है। अब विवेक ने इस पूरे मामले में अपना रिएक्ट किया है।

'द रीनक शो' शो में होस्ट ने विवेक अग्निहोत्री से इस विवाद को लेकर सवाल पूछा गया। जिसके जवाब में विवेक ने कहा, तैमूर बहुत सारे लोगों का नाम रखा जाता रहा है। अपने बच्चे का तैमूर नाम अकेले सैफ ने नहीं रखा है। मैं ज समरकंद में अपनी फिल्म 'द ताशकंद फाइल्स' की शूटिंग कर रहा था। तब मैं वहां पर तैमूर के मकबरे में भी गया था। इसके बाहर लिखा था कि उसने पूरी दुनिया की सबसे अमीर सल्तनत को जीता था। ये सल्तनत दिल्ली की थी। एक रात में तैमूर ने लाखों लोगों की हत्या की थी। रेप और लूटपाट किया था। लेकिन वो अपने देश में हीरो है। हमारे लिए नहीं होगा। अपने बच्चे का नाम तैमूर तो किसी को नहीं रखना चाहिए था। इस पर कोई सवाल ही नहीं उठना चाहिए।

'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को रिलीज होगी। फिल्म में पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर, शाश्वत चटर्जी और दर्शन कुमार हैं। फिल्म में खुद विवेक अग्निहोत्री भी नजर आएंगे। वहीं इसमें भी उन्होंने अनुपम खेर को भी लिया है। जो गांधी के किरदार में नजर आएंगे। विवेक ने अपनी पत्नी और अभिषेक अग्रवाल के साथ इसे प्रोड्यूस भी किया है।

जसविंदर भल्ला के परिवार में कौन-कौन, अपने पीछे छोड़ गए कितनी संपत्ति?

(जीएनएस)। पंजाबी सिनेमा के मशहूर एक्टर और कॉमेडियन जसविंदर भल्ला का निधन हो गया है। लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे 65 वर्षीय भल्ला ने आखिरकार इस दुनिया को अलविदा कह दिया है।

पंजाबी एक्टर और कॉमेडियन जसविंदर भल्ला की मौत

अपने करियर में लाखों चेहरों पर मुस्कान लाने वाले महान कलाकार जसविंदर भल्ला ने न केवल पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री, बल्कि पूरे देशभर के दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई थी। जानकारी के अनुसार जसविंदर भल्ला लंबे समय से वह बीमार चल रहे थे और उनका लगातार इलाज हो रहा था।

ब्रेन स्ट्रोक के चलते हुई जसविंदर भल्ला की मौत

-जसविंदर भल्ला के यूं चले जाने से पूरी पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री शोक में डूब गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जसविंदर भल्ला को अचानक ब्रेन स्ट्रोक आया था। हालत गंभीर होने पर उन्हें मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी देखभाल कर रही थी।

-वहीं आज यानी 22 अगस्त 2025 के तड़के जसविंदर भल्ला की तबीयत और ज्यादा बिगड़ गई थी। इसके बाद सुबह करीब 4 बजे उनका निधन हो गया। आपको बता दें कि जसविंदर भल्ला सिर्फ एक कॉमेडियन ही नहीं, बल्कि पढ़ाई-लिखाई में भी काफी आगे थे।

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे जसविंदर भल्ला

-जसविंदर भल्ला ने पीएचडी (डॉक्टरेट) की डिग्री हासिल की थी। फिल्मों में कदम रखने से पहले जसविंदर भल्ला पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे। इस दौरान उन्होंने किसानों तक नई तकनीकें और जानकारियां पहुंचाने में अहम योगदान दिया था।

-बाद में जसविंदर भल्ला ने एक्टिंग को अपना करियर बनाया और पंजाबी सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाई। जसविंदर भल्ला ने अपने अनोखे ह्यूमर और शानदार कॉमिक टाइमिंग से लोगों को अपना दीवाना बना लिया था।

एक्टर के परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

जसविंदर भल्ला के परिवार में उनकी पत्नी परमजीत कौर भल्ला, बेटा पुखराज भल्ला और बेटी जैस्मीन भल्ला हैं। बेटे पुखराज ने इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज में एक्टिंग का सफर शुरू किया है। भल्ला परिवार मोहाली में रहता है और बेहद सिंपल जीवन जीने के लिए जाना जाता है। जानकारी के अनुसार जसविंदर भल्ला कई सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे थे।

कितनी संपत्ति छोड़कर गए एक्टर?

जसविंदर भल्ला पंजाबी इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में गिने जाते थे और उनकी लोकप्रियता का अंदाजा उनकी कमाई से भी लगाया जा सकता है। हालांकि उनकी कुल संपत्ति को लेकर आधिकारिक जानकारी मौजूद नहीं है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह करीब 20 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक थे। वह एक महीने में करीब 10 लाख रुपये तक कमा लेते थे। फिल्मों के अलावा स्टेज शो, कॉमेडी इवेंट्स और प्रोफेसर की नौकरी से भी उनकी अच्छी खासी कमाई होती रही है।

मोहाली में होगा अंतिम संस्कार

-जसविंदर भल्ला का अंतिम संस्कार मोहाली में किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जसविंदर भल्ला का अंतिम संस्कार कल यानी 23 अगस्त 2025 को दोपहर 12 बजे मोहाली के बलोंगी श्मशान घाट में किया जाएगा।

-एक्टर के अंतिम संस्कार की रस्मों के लिए यूरोप से भैरत लौट रही उनकी बेटी का इंतजार किया जा रहा है।

गोविंदा से कितनी अमीर सुनीता आहूजा? कभी लिखती थीं 'लव 86' लेटर, आज 'दूल्हे राजा' पर तलाक के लिए लगाए 'इल्जाम'

80 और 90 का बॉलीवुड अगर किसी हीरो की मस्ती, डांस और कॉमेडी के लिए जाना जाता है, तो वो हैं गोविंदा-हीरो नंबर 1, राजा बाबू और कुली नंबर 1 जैसी हिट फिल्मों के बादशाह। लेकिन आज वही गोविंदा असली जिंदगी में एक ऐसे फिल्मी ड्रामे के किरदार बन चुके हैं, जिसमें तलाक, आरोप और करोड़ों की संपत्ति का मसला शामिल है।

जी हां, उनकी पत्नी सुनीता, जो कभी गोविंदा को 'लव 86' स्टाइल में लव लेटर लिखा करती थीं, आज उन पर अफेयर, अत्याचार और अकेले छोड़ने का 'इल्जाम' लगा रही हैं। इस खबर ने गोविंदा के फैंस को हैरान कर दिया है और हर कोई जानना चाहता है-सुनीता आहूजा कितनी अमीर हैं और अगर तलाक हुआ तो कितनी एलिमनी मिलेगी? दोनों की प्रेम कहानी कैसे परवान चढ़ी...आइए, इस फिल्मी कहानी में थोड़ा ड्रामा, थोड़ा रोमांस और ढेर सारा मसाला डालकर जानते हैं!

सुनीता और गोविंदा की प्रेम कहानी किसी बॉलीवुड फिल्म से कम नहीं। 1967 में एक पंजाबी-सिंधी परिवार में जन्मी सुनीता (असली नामः सुनीता मुंजाल) की मुलाकात गोविंदा से उनके मामा आनंद सिंह के जरिए हुई थी। तब गोविंदा एक स्ट्रगलिंग एक्टर थे, और सुनीता एक बिंदास, मॉडर्न लड़की। दोनों के व्यक्तित्व जुदा थे-गोविंदा पारंपरिक और शांत, तो सुनीता बोल्ड और बेबाक। फिर भी, लव लेटर और फोन कॉल्स के जरिए उनका रोमांस परवान चढ़ा।

1986 में इल्जाम से डेब्यू करने वाले गोविंदा को स्टारडम मिला, और उसी दौरान 1987 में उन्होंने सुनीता मुंजाल से गुपचुप शादी कर ली। इसी साल, गोविंदा 'लव 86' जैसी फिल्मों से स्टार बन गए, तब जाकर उन्होंने अपनी शादी का खुलासा किया। इन 38 सालों में सुनीता गोविंदा की सबसे बड़ी चीयरलीडर रही हैं, लेकिन अब यह रिश्ता तलाक की कगार पर क्यों आ पहुंचा?

खबरों के मुताबिक, सुनीता ने हिंदू मैरिज एक्ट 1955 के सेक्शन 13 (1) (i), (ia), और (ib) के तहत तलाक की अर्जी दायर की है। इसमें उन्होंने गोविंदा पर गंभीर आरोप लगाए हैं-अफेयर, मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना, और उन्हें अकेला छोड़ देना। कोर्ट ने गोविंदा को 25 मई 2025 को समन भेजा था, लेकिन खबर है कि वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। दूसरी ओर, सुनीता नियमित रूप से कोर्ट की सुनवाई में शामिल हो रही हैं। कुछ सूत्र बताते हैं कि दोनों जून से अपने रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन गोविंदा का 'मिसिंग' होना सवाल उठा रहा है। क्या यह बॉलीवुड का सबसे बड़ा तलाक ड्रामा बनने जा रहा है?

80-90 के दशक में गोविंदा ने 'इल्जाम', 'Love 86', 'दूल्हे राजा', और 'हीरो नंबर 1' जैसी फिल्मों से बॉलीवुड पर राज किया। उनकी कॉमिडी, डांस और देसी स्टाइल ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। लेकिन अब, जब उनकी पर्सनल लाइफ सुर्खियों में है, फैंस पूछ रहे हैं-क्या गोविंदा का 'हीरो' वाला जादू अब फीका पड़ गया?

मोनालिसा के नए लुक ने लोगों को बनाया दीवाना, इंटरनेट पर कहर बरपा रहा है महाकुंभ वायरल गर्ल का नया वीडियो

(जीएनएस)। महाकुंभ 2025 में रुद्राक्ष की माला बेचकर चर्चा में आई 16 साल की लड़की मोनालिसा अब पूरी तरह से बदल चुकी हैं। उनका अंदाज, बात करने का तरीका और स्टाइल इतना बदल गया है कि लोग उन्हें देखकर हैरान हो जाते हैं।

मोनालिसा का ट्रांसफॉर्मेशन लोगों को आया पसंद

सोशल मीडिया पर मोनालिसा का ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। फिलहाल मोनालिसा न सिर्फ अपनी डेब्यू फिल्म की तैयारी कर रही हैं, बल्कि कई बड़े ब्रांड्स के लिए एड शूट्स का भी हिस्सा बन चुकी हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ 'लेडी बॉस' लुक

-हाल ही में महाकुंभ वायरल गर्ल मोनालिसा का एक वीडियो इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। ये वीडियो मोनालिसा के ऑफिशियल अकाउंट पर शेयर किया गया है, जिसमें वह लेडी बॉस के अवतार में नजर आ रही हैं।

-वीडियो में देखा जा सकता है कि मोनालिसा ने वाइट ब्लेजर के साथ ब्लैक ट्राउजर पहना है, जिसे उन्होंने मिनिमल मेकअप और स्लीक हेयरस्टाइल के साथ कैरी किया है। उनका ये क्लासी लुक देखकर लोग उनके दीवाने हो रहे हैं।

-मोनालिसा के इस वीडियो पर लगातार कमेंट्स की बौछार हो रही है। कोई उन्हें खूबसूरत कह रहा है तो कोई उन्हें जल्द ही बड़ा स्टार बनने का आशीर्वाद दे रहा है। कई फैंस ने उनके लिए हार्ट और फायर इमोजी भी पोस्ट किए हैं। इससे ये साफ है कि मोनालिसा का ये नया अंदाज लोगों के दिलों पर छा गया है।

म्यूजिक वीडियो और फोटोशूट से भी बटोरी थीं सुर्खियां

कुछ समय पहले मोनालिसा का एक म्यूजिक वीडियो सादगी रिलीज हुआ था, जिसमें उनका प्यारा और मासूम अंदाज देखने को मिला था। इस गाने ने रिलीज होते ही मिलियन्स व्यूज हासिल कर लिए थे। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में ब्राइडल फोटोशूट भी करवाया था, जिसमें उनका लुक इतना रियल लगा था कि कई फैंस को लगा वो शादी करने जा रही हैं। हालांकि ये सिर्फ एक शूट था।

बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म की तैयारी

मोनालिसा इन दिनों अपनी पहली फिल्म की तैयारियों में जुटी हुई हैं। वह एक्टिंग की ट्रेनिंग ले रही हैं और खुद पर लगातार काम कर रही हैं। उनके लुक्स और एक्सप्रेशंस से साफ झलकता है कि वह जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री करने वाली हैं।

उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन का 7वाँ संस्करण - 'स्वस्थ भारत, समर्थ भारत : साथ मिलकर एक स्वस्थ भविष्य की ओर'

लखनऊ, शुक्रवार, 22 अगस्त 2025

भारतीय उद्योग परिसंघ (उक्क) उत्तर प्रदेश ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन का 7वाँ संस्करण आयोजित किया। इस सम्मेलन में नीति-निमार्ताओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और नवाचारकताओं ने उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि, श्री ब्रजेश पाठक, माननीय उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश ने कहा कि पिछले सात वर्षों में, उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति दर्ज की है—17 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से लेकर ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने और सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाओं के विस्तार तक। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में निःशुल्क प्राथमिक देखभाल, सुरक्षित मातृत्व और बाल स्वास्थ्य के लिए समर्पित 'जच्चा-बच्चा केंद्र', ई-स्वास्थ्य समाधानों जैसे संजीवनी ऐप, और सशक्त स्वास्थ्य कर्मी बल शामिल हैं। हमारा ध्यान समय पर, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं पर है, विशेष रूप से माताओं, बच्चों और सेवा से वंचित समुदायों के लिए।

श्रीमती ऋतु महेश्वरी, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवाओं

के वितरण को बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (अइउट) और ऋइउळअ जैसी पहलों के माध्यम से डिजिटल इंटरवेंशन्स और डेटा-संचालित निगरानी को सक्षम किया जा रहा है, जिससे मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित हो रही हैं। पिछले तीन वर्षों में, 14 करोड़ से अधिक अइलअ आईडी बनाई गईं, 68,000+ स्वास्थ्य संस्थाओं को पंजीकृत किया गया, 97,000+ स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित किया गया, और लगभग 9.5 करोड़ अइलअ-लिंक्ड स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाए गए। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं के कौशल संवर्द्धन, बुनियादी अवसंरचना में सुधार और नवाचारी स्वास्थ्य तकनीकों के कार्यान्वयन पर भी जोर दिया, ताकि राज्य में समान और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ सुनिश्चित की जा सकें।

डा. उपासना अरोड़ा, चेयरपर्सन, उक्क उत्तर प्रदेश एवं चेयरपर्सन, वढ ल्तीं'इँ र४३ 2025 तथा प्रबंध निदेशक, यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा बदलाव हो रहा है। इसमें सरकार की पहलें जैसे आयुष्मान भारत का विस्तार, डिजिटल हेल्थ का इस्तेमाल और नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना शामिल हैं। इसके साथ ही निजी क्षेत्र के नवाचार और निवेश भी इस बदलाव को तेजी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सिर्फ. समाज की जरूरत ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास और रोजगार का भी अहम आधार है। डा. अरोड़ा ने कहा कि उक्क स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नीतिगत सहयोग, क्षमता निर्माण और जमीनी स्तर पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत से मिलकर आगे बढ़ने की अपील की।

डा. धर्मेन्द्र नागर, चेयरमैन, उक्क उत्तरी क्षेत्रीय स्वास्थ्य समिति एवं प्रबंध निदेशक, पारस हेल्थकेयर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज, डिजिटल हेल्थ सेवाएँ और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएँ राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य केवल समाज की जरूरत ही नहीं है बल्कि यह आर्थिक विकास का भी आधार है। डॉ. नागर ने जोर दिया कि सरकार और निजी क्षेत्र को मिलकर पारदर्शी और नतीजे देने वाले मॉडल बनाने होंगे, लंबे समय तक चलने वाली नीतियाँ बनानी होंगी और ऐसा नेटवर्क तैयार करना होगा जिससे बड़ी और छोटी दोनों तरह की स्वास्थ्य सेवाएँ लोगों तक आसानी से पहुँच सकें। उन्होंने कहा कि उक्क सरकार और उद्योग के बीच एक मजबूत पुल की तरह काम कर रहा है और सभी को मिलकर 'स्वस्थ भारत, समर्थ भारत' का सपना पूरा करना होगा।

श्री सौरभ गर्ग, चेयरमैन, ढडउळ ग्रुप ने कहा कि 'राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए आवश्यक है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उलउ२) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढलउ२) स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की डिलीवरी को और बेहतर बनाया जाए। उन्होंने उल्लेख किया कि ढडउळ समूह, उक्क और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को बुनियादी अवसंरचना से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की मांग और

दरगाह शाहमीना शाह में उर्स का इख्तिताम, मुल्क में अमन-चैन के लिए मांगी गई दुआएं

लखनऊ। दरगाह शाहमीना शाह में चल रहा उर्स शरीफ अमन और भाईचारे की दुआओं के साथ इख्तिताम पजीर हुआ। जुमेरात के दिन इस तीन-रोजा तकरीब के इख्तिताम पर मुल्क के कोने-कोने से आए जायरीनों ने मुल्क में इत्तेहाद और यकजहती कायम रहने की दुआएं मांगीं।

इस मौके पर मखदूम शाहमीना फाउंडेशन के सदर शाकिर अली मीनाई ने दरगाह को गंगा-जमुनी तहजीब की एक बेमिसाल मिसाल करार दिया। उन्होंने फरमाया कि यह एक ऐसी मुकद्दस जगह है जहां हर मजहब के लोग अकीदत के साथ हाजिरी देते हैं और उनकी मुरादें पूरी होती हैं। मीनाई ने मुल्क भर से आए तमाम जायरीनों का शुक्रिया अदा किया।

फाउंडेशन के नायब सदर सैयद अतीक अहमद उर्फ रूफी बाबा ने अपनी तकरीर में कहा कि दरगाह शाहमीना शाह से हमेशा अमन और मोहब्बत का ही पैगाम दिया जाता है। उन्होंने लोगों से गुजारिश की कि वे एक-दूसरे की मदद करें, गरीबों का ख्याल रखें और सियासत से ऊपर उठकर इंसानियत की खिदमत करें। उन्होंने उर्स में शिरकत करने वाले तमाम लोगों का तह-ए-दिल से शुक्रिया अदा किया।

पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ PRKS में पी.के. सिंह का स्वागत

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ (PRKS) में श्री पी.के. सिंह और उनकी टीम के शामिल होने पर संघ के सभी सदस्यों में खुशी की लहर है। इस अवसर पर ढफ्छर लेखा शाखा ने उनका दिल से स्वागत और अभिनंदन किया है।

कर्मचारियों ने कहा कि श्री पी.के. सिंह का ढफ्छर में शामिल होना घर वापसी जैसा है, क्योंकि वे शुरू से ही PRKS का हिस्सा थे और PRKS उनका अपना परिवार है।

इस मौके पर PRKS के कर्मचारियों ने महामंत्री श्री विनोद राय की भी जमकर तारीफ की। कर्मचारियों का कहना है कि विनोद राय जैसा महामंत्री किसी अन्य संगठन के पास नहीं है, जो कर्मचारियों के हितों के लिए हमेशा उनके साथ खड़ा रहता है।

कार्यक्रम में जय ढफ्छर, विनोद राय, रमेश मिश्रा, सुबोध चौधरी, दीपक चौधरी, नवीन मिश्रा और लखनऊ मंडल के समर्थन में नारे लगाए गए। देवेश सिंह (यूथ अध्यक्ष, ढफ्छर और पूरी PRKS, NFIR को भी जिंदाबाद के नारों से सराहा गया।

रिफा-ए-आम क्लब, सोई विरासत जागी या नया सरकारी तमाशा?

(जीएनएस)।

लखनऊ। वजीरगंज में बसा रिफा-ए-आम क्लब, जो 1886 से अपनी ऐतिहासिक शान लिए खड़ा था, अचानक लखनऊ विकास प्राधिकरण की नजरों में चढ़ गया। लगता है, दशकों की गहरी नींद के बाद प्राधिकरण को इस 2,18,000 वर्गफीट की नजूल संपत्ति की याद आ गई। 1985 में लीज खत्म होने के बाद यह क्लब एलडीए को सौंपा गया था, लेकिन तब से यह 22 दुकानदारों और कुछ परिवारों के अवैध कब्जे का अड्डा बन चुका था। और अब, मानो कोई जादुई चिराग रगड़ा गया हो, एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने इसकी सुध लेने का बीड़ा उठाया है।

एलडीए ने तुरंत अपनी टीम भेजकर इस जर्जर भवन का मुआयना किया। नतीजा? यहाँ मैरिज लॉन, कैफेटेरिया और स्पोर्ट्स हब की अपार संभावनाएँ दिखीं। सुनने में तो ऐसा लगता है जैसे कोई बॉलीवुड स्क्रिप्ट लिखी जा रही हो, जहाँ पुरानी हवेली को रातोंरात चमकता-दमकता रिसॉर्ट बना दिया जाता है। और हाँ, यह सब ढढढ मॉडल के तहत होगा, क्योंकि सरकारी खजाना तो बस दिखावे के

लिए है, असली कमाई तो निजी हाथों से होगी।

25 अगस्त तक अवैध कब्जाधारियों को जगह खाली करो, नहीं तो. का अल्टीमेटम दे दिया गया है। लेकिन रुकिए, यह कोई साधारण दीवार नहीं बनेगी जो क्लब को सुरक्षित करेगी। यह होगी हेरिटेज लुक वाली बाउंड्रीवॉल! जी हाँ, क्योंकि लखनऊ की शान को तो चार चाँद लगाने ही हैं। साथ में हॉर्टीकल्चर, फैंसी लाइटिंग, सड़कें और पाथ-वे भी बनेंगे, ताकि यह क्लब इंस्टाग्राम पर भी हिट हो जाए।

अब थोड़ा तारीफ भी कर लें। एलडीए ने मानवीयता का जामा पहनते हुए अवैध कब्जाधारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर देने का वादा किया है। सुनने में तो अच्छा है, लेकिन क्या यह वादा जमीन पर उतरेगा, या सिर्फ कागजों पर सैर करेगा? यह तो वही पुराना सवाल है, क्या सरकारी फाइलें और हकीकत कभी एक रास्ते पर चलते हैं?

रिफा-ए-आम क्लब का यह कायाकल्प सुनने में बड़ा लुभावना है। लेकिन लखनऊवासियों को मालूम है, यहाँ योजनाएँ बनती तो खूब हैं, पर अंजाम तक पहुँचते-पहुँचते कई बार हाँफने लगती हैं। क्या यह क्लब वाकई लखनऊ की नई शान बनेगा, या फिर बस एक और सरकारी प्रोजेक्ट बनकर फाइलों में दफन हो जाएगा? क्या यह विरासत की सैर कराने वाला हेरिटेज हब बनेगा, या फिर सिर्फ कुछ ठेकेदारों की जेबें भरेगा?

नगीना: नौकरानी ने बर्तनों पर डाला पेशाब, सीसीटीवी में कैद होकर पहुंची थाने

(जीएनएस)।

बिजनौर।

नगर में एक व्यापारी के घर काम करने वाली नौकरानी की घिनौनी करतूत सामने आई है। करीब दस साल से घरेलू कार्य कर रही महिला पर आरोप है कि उसने रसोई में बर्तन धोने के बाद उन पर अपना पेशाब छिड़क दिया। पूरी घटना रसोई में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महिला को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार व्यापारी के घर पर एक बुजुर्ग महिला लंबे समय से घरेलू काम कर रही थी। पिछले कुछ दिनों से घर की महिला को उसकी हरकतें संदिग्ध लग रही थीं। इसी शक के चलते घर में सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए। बुधवार दोपहर जब बुजुर्ग नौकरानी बर्तन धो रही थी, तभी उसने एक गिलास में पेशाब किया और धुले हुए बर्तनों पर छिड़क दिया। महिला के जाने के बाद जब सीसीटीवी फुटेज देखी गई तो सबके होश उड़ गए।

फुटेज वायरल होने पर परिजन व स्थानीय लोग स्तब्ध रह गए। शाम को जब महिला काम पर पहुंची तो परिवार ने उसे पकड़कर

पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, लेकिन आरोपी महिला ने केवल अपनी गलती कबूल की और इसके पीछे कोई कारण बताने से इंकार कर दिया।

नगीना पुलिस का कहना है कि इस मामले में घर वालों ने कोई लिखित तहरीर नहीं दी है। महिला के खिलाफ शांति भंग की धारा में चालान कर कार्रवाई की गई है। वहीं घटना का वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में गुस्सा और हैरानी दोनों देखने को मिल रही है।

इस सनसनीखेज घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है और लोग नौकरानी की इस हरकत को अमानवीय और शर्मनाक बता रहे हैं।

रिंकू सिंह का शानदार शतक, 48 गेंदों पर 108 रन बनाए

लखनऊ/यूपी टी20 लीग में रिंकू सिंह ने शानदार शतक जड़कर अपने पुराने फॉर्म में वापस लौट आए हैं. रिंकू सिंह मेरठ माविरक्स की कप्तानी करते हुए गोरखपुर लायंस के खिलाफ मैच विनिंग शतक जड़ा. उन्होंने विरोधी टीम के मुंह से जीत छीन ली.रिंकू की विस्फोटक पारी में चौकों और छक्कों की खूब बरसात हुई. उन्होंने 48 गेंदों पर नाबाद 108 रन बनाए जिसमें 8 छक्के और 7 चौके शामिल थे. रिंकू सिंह उस समय क्रीज पर बैटिंग के लिए उतरे जब उनकी टीम 38 रन पर 4 विकेट गिर गये थे. इसके बावजूद रिंकू ने अपनी नैचुरल बैटिंग जारी रखी और आखिरकार एक असंभव दिख रहे लक्ष्य को आसानी से हासिल कर टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी. रिंकू सिंह का दो दिन पहले ही एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है.

रिंकू सिंह ने 3 छक्के जड़े उन्होंने वासु वत्स के इस ओवर की पहली गेंद को थर्ड मैन की ओर लंबा छक्का जड़ा जबकि दूसरी गेंद पर लॉन्ग ऑफ की ओर सिक्स जड़ा. तीसरी गेंद पर रिंकू ने फिर लॉन्ग ऑफ की ओर से छक्का जड़ दिया. इससे पहले उन्होंने 18वें ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर चौका वहीं चौथी और पांचवीं गेंद पर छक्का जड़ा. उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया.

मेरठ माविरक्स (टीं१४३ टं५ी१ूं'२) की टीम के सामने 168 रन का लक्ष्य था. गोरखपुर लायंस की ओर से रखे गए लक्ष्य का पीछा करने उतरी रिंकू सिंह की टीम 8 ओवर में 38 रन पर अपने चार विकेट गंवा चुकी थी. टॉप ऑर्डर के 4 बल्लेबाज 15 रन का आंकड़ा भी छू पाए. इसके बाद रिंकू सिंह ने युवराज सिंह के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 65 गेंदों पर 130 रन की साझेदारी कर टीम को रोमांचक जीत दिला दी.दोनों

ने इसके बाद विकेट नहीं गिरने दिया. रिंकू ने अपनी टीम को 7 गेंद बाकी रहते शानदार जीत दिला दी.युवराज सिंह ने 22 गेंदों पर एक चौके की मदद से नाबाद 22 रन बनाए.

नोएडा किंग्स ने कानपुर सुपरस्टार्स को हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

लखनऊ/यूपीटी20 नोएडा किंग्स ने कम स्कोर वाले रोमांचक मुकाबले में कानपुर सुपरस्टार्स को हराकर टूनार्मेंट की अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

वही 111 रनों का पीछा करते हुए नोएडा ने लगभग 19 ओवर लगाए और चार विकेट से जीत हासिल कर ली। इसके साथ ही कानपुर को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कानपुर की शुरूआत बेहद खराब रही। ओपनर शौर्य सिंह ने एक चौका और एक छक्का जरूर जड़ा लेकिन तीसरी ही गेंद पर नमन तिवारी को कैच थमा बैठे। जल्द ही आदर्श सिंह और फिर स्टार बल्लेबाज समीर रिजवी भी बिना खाता खोले आउट हो गए।

कानपुर सुपरस्टार्स के कप्तान फैज अहमद (46) और बॉबी यादव (29) ने सातवें विकेट के लिए अहम साझेदारी निभाई और स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। लेकिन नमन तिवारी और कुनाल त्यागी की धारदार गेंदबाजी ने एक बार फिर कानपुर को बैक फुट पर ला दिया। तिवारी ने 22 रन देकर 4 विकेट झटके जबकि त्यागी ने 3 विकेट सिर्फ 9 रन देकर चटकाए। पूरी टीम 19.3 ओवर में 110 रन पर ढेर हो गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नोएडा की भी शुरूआत धमाकेदार रही। अनिवेश चौधरी ने एक चौका और छक्का लगाकर टीम को तेज शुरूआत दी। लेकिन कानपुर के तेज गेंदबाजों ने तुरंत वापसी की और दोनों ओपनरों को जल्दी पवेलियन भेज दिया।

राहुल राजपाल (21) और रवि सिंह ने बीच में पारी संभालने की कोशिश की और धीरे-धीरे स्कोर आगे बढ़ाया। हालांकि विकेट गिरते रहे और एक समय 20 गेंदों पर 20 रन चाहिए थे। इसी दौरान प्रशांत वीर ने एक छक्का और चौका लगाया लेकिन राहुल शर्मा और शुभम मिश्रा ने फिर से मैच में रोमांच भर दिया।

राहुल राजपाल (21) और रवि सिंह ने बीच में पारी संभालने की कोशिश की और धीरे-धीरे स्कोर आगे बढ़ाया। हालांकि विकेट गिरते रहे और एक समय 20 गेंदों पर 20 रन चाहिए थे। इसी दौरान प्रशांत वीर ने एक छक्का और चौका लगाया लेकिन राहुल शर्मा और शुभम मिश्रा ने फिर से मैच में रोमांच भर दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे नोएडा की भी शुरूआत धमाकेदार रही। अनिवेश चौधरी ने एक चौका और छक्का लगाकर टीम को तेज शुरूआत दी। लेकिन कानपुर के तेज गेंदबाजों ने तुरंत वापसी की और दोनों ओपनरों को जल्दी पवेलियन भेज दिया।

राहुल राजपाल (21) और रवि सिंह ने बीच में पारी संभालने की कोशिश की और धीरे-धीरे स्कोर आगे बढ़ाया। हालांकि विकेट गिरते रहे और एक समय 20 गेंदों पर 20 रन चाहिए थे। इसी दौरान प्रशांत वीर ने एक छक्का और चौका लगाया लेकिन राहुल शर्मा और शुभम मिश्रा ने फिर से मैच में रोमांच भर दिया।

कर्ण शर्मा ने बॉबी यादव पर छक्का जड़कर मैच खत्म किया और नोएडा को जीत दिलाई।

स्कोर बोर्ड

कानपुर सुपरस्टार्स 110 ऑल आउट, 19.3 ओवर (फैज अहमद 46, बॉबी यादव 29; नमन तिवारी 4/22, कुनाल त्यागी 3/9)

नोएडा किंग्स 111/8, 18.4 ओवर (राहुल राजपाल 21, अनिवेश चौधरी 17; राहुल शर्मा 3/12, शुभम मिश्रा 2/21) परिणामः नोएडा किंग्स 4 विकेट से जीता

मैन ऑफ द मैचः नमन तिवारी

कलर्स के शो 'पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' पर हुआ खुलासा

कलर्स के शो 'पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' पर हुआ खुलासा, अभिनव शुक्ला ने कहाझ 'बहुत से लोग जिद को समस्या मानते हैं, लेकिन रुबीना के लिए यही उसकी ताकत है'

प्यार की सबसे बड़ी सच्चाइयों में से एक यह है कि वह किसी कथित कमी को भी गर्व का प्रतीक बना सकता है। यही जादू नजर आया कलर्स के शो 'पति पत्नी और पंगा झ जोड़ियों का रियलिटी चेक' में। बॉलीवुड थीम पर सजे इस एपिसोड में हंसी-मजाक, यादें और खेल-खिलवाड़ से भरे टास्क तो थे ही, लेकिन असली ब्लॉकबस्टर पल तब आया जब फोकस अभि नव शुक्ला और रुबीना दिलैक पर शिफ्ट हुआ। एक मजेदार चैलेंज में, जहाँ जोड़ियों को एक-दूसरे की परिभाषित करने वाली खासियतें बतानी थीं, अभि नव ने रुबीना को 'जिद्दी' टैग किया। शुरूआत में यह महज एक शरारती इशारा लगा, लेकिन तुरंत ही यह एक गहरी सच्चाई का खुलासा बन गया। अभि नव ने समझाया कि रुबीना की जिद कोई कमी नहीं, बल्कि उसकी सफलता का असली राज है। यही जिद उसे अनुशासित, मजबूत और निरंतर बनाए रखती है। और इस तरह उन्होंने दर्शकों को यह सिखाया कि जिस चीज को दुनिया कभी-कभी कमजोरी समझती है, वही असल में आपकी सबसे बड़ी ताकत हो सकती है — बस कोई एक ऐसा होना चाहिए जो आपसे सच्चा प्यार करता हो और आपको यह एहसास दिला सके।

रुबीना की इस खूबी पर अभि नव शुक्ला ने कहा, 'रुबीना बहुत ज़िद्दी है, और मैं यह सबसे अच्छे मायने में कह रहा हूँ। उसकी ज़िद मुझे भी प्रेरित करती है। वह बहुत स्पष्ट है कि उसे क्या चाहिए और क्या नहीं। अगर कोई चीज उसकी दिनचर्या में फिट नहीं बैठती — चाहे देर रात की पार्टी हो या कुछ ऐसा जो उसकी नींद, जिम या शूट शेड्यूल बिगाड़े — तो वह साफ मना कर देती है। और सच कहूँ तो मैं उसकी इस आदत की बहुत कद्र करता हूँ। बहुत कम लोग ऐसा कर पाते हैं। यही ज़िद उसे अनुशासित, फोकस्ड और निरंतर बनाए रखती है। मैंने उसे हमेशा अपने सिद्धांतों पर टिके हुए, खुद को बेहतर बनाने के लिए मेहनत करते हुए और कभी शॉर्टकट न अपनाते हुए देखा है। बहुत लोग जिद को समस्या मानते हैं, लेकिन रुबीना के लिए यही उसकी ताकत है, यही उसकी सफलता का राज है। कई बार मुझे भी उससे प्रेरणा मिलती है, क्योंकि वह मुझे याद दिलाती है कि ना कहना और दृढ़ रहना ही असली सफलता का सबसे बड़ा साधन हो सकता है।'

नीविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है 'पति पत्नी और पंगा झ जोड़ियों का रियलिटी चेक', सह-प्रायोजकः शुगर फ्री ग्रीन, राजधनी बेसन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स और लॉरियल पेरिस हायलूरॉन प्योर। स्पेशल पार्टनरः विक्रम टी, कोलगेट, कैच मसाले। एसोसिएट पार्टनर जौंक बैग्स, हर शनिवार और रविवार को रात 9:30 बजे, सिर्फ कलर्स पर।

पीएनबी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया

22 अगस्त 2025: सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। पीएनबी अपनी प्रमुख योजना "पीएनबी रक्षक प्लस" के तहत सीआरपीएफ के सभी सेवारत कर्मियों और पेंशनभोगियों को बढ़े हुए बीमा कवरेज और अन्य लाभों के साथ कई तरह की सेवाएं प्रदान कर रहा है।

इस मौजूदा एमओयू में किए गए संशोधन का आदान-प्रदान पंजाब नेशनल बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री बिभु प्रसाद महापात्र और सीआरपीएफ के डीआईजी (प्रशासन)

श्री डी.एस. नेगी की उपस्थिति में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशालय, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 में हुआ।

बैंक और सीआरपीएफ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में, पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक श्री बिनय कुमार गुप्ता और महानिदेशालय, सीआरपीएफ, नई दिल्ली के पुलिस महानिरीक्षक (प्रशासन) श्री जाकी अहमद, आईपीएस ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इसके अलावा, रक्षक खाताधारक के आश्रितों और परिवारों को भी कई लाभ दिए जा रहे हैं।

बैंक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को समर्पित है और भविष्य में भी इस कार्य को जारी रखेगा।